सुहागरात : एक आस एक प्यास-2

"मैंने अपनी जीभ से उसकी बुर के दाने को चूसना शुरू किया और साथ ही अपनी एक उंगली उसके चूत में डालने लगा और उसको अपनी उंगली से ही चोदने लगा। ..."

Story By: विंश शाण्डिल्य (shandilya)
Posted: Saturday, June 11th, 2016
Categories: कोई मिल गया
Online version: सुहागरात : एक आस एक प्यास-2

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सुहागरात : एक आस एक प्यास-2

रात के 11 बज रहे थे, मैं अंदर आ गया और एक मूवी लगाई और देखने लगा।

करीब आधे घंटे बाद फिर से मेरे घर की डोरबेल बजी, मैंने सोचा कि इस वक़्त कौन है ?
दरवाजा खोला तो देखा लतिका भाभी एकदम दुल्हन की तरह सज के मेरे रूम के बाहर खड़ी है।

मैंने पूछा- क्या हुआ ?
वो कुछ बोली नहीं, मुझे धकेल के मेरे रूम के अंदर आ गई और दरवाजा बंद कर लिया, फिर जाकर बेड पर एकदम सुहागरात वाली स्टाइल में बैठ गई।

मैं चुपचाप सब देख रहा था, तभी उसने मुझे अपने पास बुलाया और वहीं बैठने को कहा फिर बातों ही बातों में वो मुझे चुदाई का निमंत्रण दे गईं।
उसने कहा- साहिल मेरी शादी हो गई है लेकिन मेरी सुहागरात नहीं हुई है और मैंने यही सोचा है कि पहली बार कुछ भी करूंगी तो उसी की फीलिंग के साथ।

उसने कहा- जब मैंने तुमको पहली बार देखा तभी से तुमसे चुदने का मन बना लिया और आज मैं एक दुल्हन की तरह चुदना चाहती हूँ। तुम मुझे जैसे चाहे चोदो, मैं आज से तुम्हारी हूँ, मेरा पूरा शरीर और मेरी चूत भी तुम्हारी है।

मैंने कहा- वो तो ठीक है पर मुझे वाइल्ड सेक्स पसंद है।
उसने कहा- मुझे कोई प्रोब्लम नहीं है, तुम जैसे चाहो करो पर मुझे मज़ा दो।

मैं उसकी बातों को बड़े ध्यान से सुन रहा था और सोच रहा था कि यह तो घर बैठे ही मेरी किस्मत खुल गई, अब तो मेरा लंड जब चाहेगा चूत में घुस जाएगा।

मैंने तुरंत उससे पूछा- यह तुम्हारा पहली बार है या पहले भी किया है ?
उसने बताया कि शादी से पहले उसका एक बॉयफ्रेंड था उसी के साथ दो-तीन बार किया है उसके बाद शादी हो गई और फिर घर से निकलने का मौका ही नहीं मिला।

उसने कहा- साहिल, तुम भी फ्रेश हो जाओ जिससे हमें दूल्हा दुल्हन वाली फीलिंग आए।
मैंने भी आव देखा न ताव... घुस गया बाथरूम में और फ्रेश होकर अपनी झांटों को साफ करके, शैम्पू, क्रीम सब लगा कर बाहर आया।
बिना समय गवाएँ मैं बेड पर चला गया और उसके घूँघट को उठा कर एक तरफ गिरा दिया और रख दिए अपने होंठ उसके जलते होंठों पर।

क्या मदहोश कर देने वाली खुशबू आ रही थी उसके बदन से... आग दोनों ही तरफ बराबर लगी हुई थी और दोनों ही एक दूसरे को खा जाने की पूरी तैयारी में थे।
करीब 15 मिनट तक एक दूसरे के होंठ ऐसे जुड़े रहे जैसे फेविकोल का जोड़ हो।
15 मिनट बाद हम अलग हुए और मैंने एक एक करके उसके बदन से सारे कपड़े नोच कर फेंक दिये, अब बस उसके बदन पर ब्रा और पैंटी रह गई।

क्या नक्काशी थी... देख कर मन प्रसन्न हो गया।
जो भी हो दोस्तो, जो मजा सांवला और गदराया बदन चोदने मैं है वो बात गोरे बदन को चोदने में नहीं आती।

सांवला बदन... उस पर गुलाबी चूत और एकदम साफ झांटें, गदराया चमकता बदन, गोल और उठे हुए गाँड और गुलाब की पंखुड़ियों सी सटी चूत की दीवारें।

आहह... आज मजा आने वाला है उसको चोद कर...

उसके बाद तो ऐसा हुआ जैसे मेरे अंदर जानवर घुस गया मैंने एक ही झटके में उसकी ब्रा

और पैंटी फाड़ दी और उसकी चूंचियों को आज़ाद कर टूट पड़ा उन पर…

अब उसकी भी साँसें तेज़ चल रही थी और मेरा पूरा कमरा उसकी सिसकारियों से गूंज रहा था, मैं उसके ऊपर लेटा हुआ उसकी चूंचियों से खेल रहा था, कभी मैं उनको मसलता, कभी मुंह में लेकर चूसता और कभी अपने दांतों से काट लेता।

अब तो वो एकदम ही गर्म हो चुकी थी और बार बार अपने चूतड़ ऊपर की तरफ उछाल रही थी।
फिर अचानक मुझे पता नहीं क्या हुआ मैंने उसकी चूंचियों को छोड़ दिया और अपने होंठ उसकी चूत पर रख दिये।

उसकी चूत बहुतायत मात्रा में चूत रस छोड़ रही थी और काफी दिनों बाद मुझे भी कोई चूत मिली थी पीने को तो बिना देरी किए मैंने उसकी चूत को चूसना और चाटना शुरू कर दिया, कभी उसके चूत के छेद को चाटता और कभी उसके बुर के दाने को चूसते हुए काट लेता!

अब तो वो जैसे मरी जा रही थी, जब उससे रहा नहीं गया तो उसने अपनी चुप्पी तोड़ी- आहहह हहहह साहिल… अब नहीं रहा जा रहा… अब देर मत करो और डाल दो अपना लंड मेरे बुर में और चोद दो मुझे! जल्दी करो शांत कर दो मेरे चूत की आग, चोदो जैसे चाहो चोदो, मसल दो मुझे, फाड़ दो मेरी चूत प्लीज्ज!

मैंने कहा- सब्र करो मेरी रानी, आज की रात तो तुम्हारे चुदने की ही रात है, आज तो मैं तुमको जम कर चोदूँगा, तुम्हारी चूत की सारी गर्मी निकाल दूँगा। लो पहले मेरे लंड को मज़ा दो, फिर चोदता हूँ तुम्हारी बुर और गांड दोनों को।

मैं 69 की अवस्था में आ गया, मैंने अपना लंड उसके मुंह में ठूंस दिया और मैं उसकी बुर को

और वो मेरे लंड को पूरे शवाब पर चूस रहे थे।
फिर अचानक से उसने अपनी चूत मेरे मुंह पर मारना शुरू कर दिया और मेरे लंड को खूब ज़ोरों से चूसने लगी, इसी के साथ उसने अपना सारा पानी मेरे मुंह में उगल दिया और शांत हो गई।
लेकिन अब भी मैं उसकी बुर में ही भिड़ा पड़ा था।

कुछ मिनट बाद फिर वो धीरे धीरे गर्म होने लगी और मुझे धकेल कर नीचे कर दिया और खुद मेरे ऊपर आ गई और अपनी बुर को मेरे मुंह पर रख कर उसने मेरे लंड को अपने मुंह में ले लिया और पागलों की तरह चूसने लगी।

ऐसा लग रहा था जैसे उसका बस चले तो वो पूरा का पूरा खा जाए।
उसका चूसना इतना क़ातिल था कि मैं ज़्यादा देर टिक नहीं पाया और तुरंत ही उसके मुंह में अपना लावा छोड़ दिया, तब तक वो एक और बार झड़ चुकी थी।

उसके बाद हम दोनों एक दूसरे से अलग हुए और अगल बगल लेट गए।
उसकी साँसें अभी भी उखड़ी हुई थी जिसकी वजह से वो कुछ बोल नहीं पा रही थी।
फिर थोड़ी देर बाद वो नॉर्मल हुई और फिर मेरे लंड के साथ खेलने लगी।

लतिका- साहिल तुम बहुत हॉट हो, आग लगा दी तुमने मेरे अंदर! क्या बुर चूसते और चाटते हो, पागल कर देते हो। मेरे बॉयफ्रेंड ने तो कभी मेरी चूत नहीं चाटी, जब भी उसने मुझे चोदा बस मुझे बिस्तर पर लिटा कर चोद दिया। उसने दो तीन बार मुझे चोदा लेकिन कभी संतुष्ट नहीं किया और मैं हर बार प्यासी ही रह गई। मुझे पहले पता ही नहीं था सेक्स में इतना मज़ा आता है। अभी तो तुमने मुझे चोदा ही नहीं है और मैं दो बार झड़ चुकी हूँ तो जब चोदोगे तब क्या होगा।

मैं- अभी तो शुरुआत है रानी, अभी तो असली मज़ा तब आएगा जब मैं तुम्हारी चूत

फाड़ूँगा।
लतिका- तुम्हारी बातों से ही मेरे चूत में खुजली होने लगी, अब इंतजार नहीं हो रहा, बस बुझा दो मेरी प्यास!
मैं- थोड़ा सब्र करो, तभी मज़ा आएगा।

मैं उसके चूचियों से खेलने लगा और वो भी अपनी उँगलियाँ मेरे बालों में फिराने लगी, अब तैयारी थी एक बड़े तूफान की या यूँ कहें चुदाई के महासंग्राम की।

मेरा लंड पूरे ताव पर था और उसकी चूत भी धधक रही थी लेकिन अभी बुर चोदने का सही समय नहीं आया था, मैंने अब उसकी चूचियों को मसलना शुरू किया और उसके साथ ही उसके पूरे शरीर को ऊपर से नीचे चाटना शुरू किया और उसकी नाभि पर जा कर रुक गया और अपने जीभ से उसकी नाभि को चोदने लगा, चाटने लगा और वो भी पूरी तरह से मेरा साथ दे रही थी।

अब तक मैं उसके पैर के पास आ चुका था और चूसते, चाटते मैं उसके चूत की तरफ धीरे धीरे बढ़ रहा था।
उसकी जांघें क्या रसीली थी, मन तो कर रहा था कि लेग पीस की तरह मसाला लगाकर खा जाऊँ।

अब तक उसकी चूत ने भी पानी छोड़ना शुरू कर दिया था, उसकी बुर की फाँकों को देख कर ऐसा लग रहा था कि अब वो लंड लीलने के लिए एकदम तैयार है।

अब देरी ना करते हुए मैंने अपने होंठ उसके चूत पर रख दिये और चूसने लगा उसकी बुर से निकलते रस को।
फिर मैंने अपनी जीभ से उसकी बुर के दाने को चूसना शुरू किया और साथ ही अपनी एक उंगली उसके चूत में डालने लगा और उसको अपनी उंगली से ही चोदने लगा।

अब तक तो वो भी पागल हो चुकी थी- आहह हह हहहह... साहिल अब नहीं रहा जा रहा, अब प्लीज़ चोद दो... रहम करो मुझ पर, डाल दो अपना लंड मेरी बुर में और फाड़ दो इसे... प्लीज़ डाल दो जल्दी अपना लंड नहीं तो मैं मर जाऊँगी। चोओओओओ दोओओओ मुउउउ झेएएए...

अब मैं उठ कर उसके ऊपर आ गया और उसको सही पोज़िशन में किया और अपना लंड उसके बुर पर रख कर रगड़ने लगा, अब उससे सहा नहीं जा रहा था।

अचानक उसने अपने हाथ से मेरा लंड पकड़ कर अपने बुर के मुहाने पे लगा दिया और अंदर लेने के लिए अपने चूतड़ उठाने लगी।

मैं भी पूरे जोश में था, मैंने कहा- बड़ी जल्दी है तुम्हें चुदने की?
यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

फिर मैंने अपना लंड उसके बुर पे सेट किया और धीरे धीरे अंदर धकेलने लगा लेकिन पहले भी वो दो तीन बार ही चुदी थी और साल भर से भी उसे कोई लंड नहीं मिला था इसलिए उसकी चूत काफी टाइट थी।

मैंने सोचा अब रहम करने का टाइम नहीं है और फिर मैंने पोजिशन लिया और एक ज़ोर का धक्का मारा और मेरा लंड उसकी बुर को चीरता हुआ आधा अंदर घुस गया।
लंड उसके बुर में जाते ही वो बहुत ज़ोर से चिल्ला उठी- ऊई ईईई माँ आ आ आ आ... मर गई मम्मी ईईईई ई निकालो इसे बहुत दर्द हो रहा है!

उसकी बातों को अनसुना करते हुए मैंने एक और ज़ोर का धक्का मारा और अपना पूरा लंड उसकी बुर में गाड़ दिया।
उसकी आँखों में आँसू आ गए और उसकी आवाज़ और तेज़ हो गई- ...आहह हहहह

प्लीज़्ज़ रुक जाओ, बहुत दर्द हो रहा है, लग रहा है मेरी चूत फट गई है, छोड़ दो मुझे अभी… हम फिर बाद में कर लेंगे।

अपना लंड अंदर तक पेलने के बाद मैं एकदम शांत उसके ऊपर लेट गया लेकिन अभी भी वो चिल्ला रही थी, करीब 5 मिनट तक मैं ऐसे ही रहा लेकिन उसकी आवाज़ कम ही नहीं हो रही थी तो मैंने उसके होंठों पे अपने होंठ रख दिये और उसे बड़े प्यार से चूमने लगा, साथ ही साथ उसके चूचियों को भी सहलाने और दबाने लगा जिससे उसका दर्द थोड़ा कम हो।

कुछ देर बाद उसकी आवाज़ थोड़ी कम हुई लेकिन मैंने उसको किस करना नहीं छोड़ा और फिर थोड़ी देर बाद उसने भी मेरा साथ देना शुरू कर दिया।
मैंने उसके होठों को छोड़ा और उससे पूछा- अब कैसा लग रहा है ?
तो उसने कहा- अब थोड़ा आराम है।

फिर हम एक दूसरे को किस करने लगे और उसने अपने कूल्हे हिला कर मुझे ग्रीन सिग्नल दे दिया।
अब मैंने धीरे धीरे अपनी कमर को हिलाना शुरू किया, वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी और उसकी दर्द भरी चीख मदहोश कर देने वाली सिसकारियों में बदल चुकी थी।

मैंने अब अपने लंड की गति को बढ़ाना शुरू किया और अच्छे से चोदना शुरू कर दिया।
अब वो भी उछल उछल कर मेरा लंड अपनी बुर में ले रही थी, अब उसे भी मज़ा आ रहा था और मैंने भी उसे जम के चोदना शुरू कर दिया था।

'ह्म्म मम्म म्म म्म ओहहह ह हह ह ह बहुत मज्जा आ रहा है और चोदो मुझे… और ज़ोर से हाँ और तेज़, अब फाड़ दो मेरी बुर को साहिल, चोद डालो मुझे, और ज़ोर से चोदो और ज़ोर से… हाँ हा हा ऐसे ही, निकाल दो सारी गर्मी मेरी चूत की। चोदो मुझे और ज़ोर से

चोदो।'

मैं भी और जोश में आ गया और फिर उसे खूब तेज़ तेज़ चोदना शुरू कर दिया, अब मुझमें भी, लग रहा था, हैवान घुस गया है और मैं भी अपने पूरे ताव में उसकी बुर फाड़ने पर लग गया।

पता नहीं मुझे क्या हुआ, उसकी बातें सुन सुन कर मैं भी जोश में आ गया और मैं भी बिना सोचे समझे सब कुछ बेबाकी से बोलने लगा- ले खा मेरा लंड साली, आज निकलता हूँ तेरी सारी गर्मी। बहुत गदराया बदन है तेरा और तेरी चूत भी कमाल की है आज तेरी बुर को भोसड़ा न बनाया तो मेरा नाम भी साहिल नहीं। चुद मेरे लंड से मेरी रांड... बहुत गर्मी है तेरे चूत में!

'हाँ ऐसे ही फाड़ो मेरी बुर को साहिल, बहुत परेशान किया है इसने मुझे... फाड़ दो इसे, निकाल दो सारी गर्मी इसकी और ज़ोर से चोदो मुझे!'

'हाँ मेरी रानी आज चोद डालूँगा पूरा तुझे, नोचूँगा, तेरी मस्त चूचियों को आज मसल कर रख दूँगा तुझे बहनचोद, रंडी साली!'

हम पूरे ज़ोरों पे चुदाई कर रहे थे और शायद मेरी बातों से वो और गर्म हो गई थी कि कुछ ही देर में अकड़ने लगी- साहिल ललल मेरा गिरने वाला है, अब मैं छूटने वाली हूँ, और ज़ोर से चोद मुझे, और तेज़ हाँ तेज़ और चो ओ ओ द ओ ओ ओ आहह ह हहह हह हह मम्मी मम्म्य गई ईई ईई!

वो झड़ने लगी और पस्त होकर लेट गई।

लेकिन अभी तो मेरी शुरुआत थी मैंने उसे उठाया और घोड़ी बनने को कहा और फिर पीछे से उसके बुर में अपना लंड डाल कर हचक कर चोदने लगा और फिर थोड़े ही देर में वो फिर

तैयार हो गई और मेरा साथ देने लगी।
मैंने फिर उसको दीवार के सहारे खड़ा किया और पीछे से अपना लंड से उसका चूत चोदन करने लगा।

अब तक तो वो भी सातवें आसमान पर थी- साहिल और तेज़ चोदो मुझे… क्या मस्त लंड है तुम्हारा और क्या मस्त चोदते हो तुम!
मैंने कहा- रानी, अभी देखा कहाँ… अभी तो तेरी चूत मार रहा हूँ, अभी तो जब तेरी गांड में जाएगा तो और मजा आएगा।

'आहह हह हहह ह ह ह… तुम्हारा जो मन करे वो चोदो… बहुत मज़ा आ रहा है। अब तो मेरी बुर, गांड और मैं तीनों तुम्हारे हैं जैसे चाहो चोदो और जब चाहे चोदो। मसलो मुझे साहिल चोदो और ज़ोर से चोदो। हम्म म्म म्म म्म म्म आहह ह ह ह ह हम्हह हह ह हह और तेज़… मैं आने वाली हूँ साहिल और तेज़, फाड़ दो मेरी बुर को चोदो मुझे।'

और कहते कहते वो फिर से झड़ गई।

अब बारी मेरी थी तो मैंने उसको बिस्तर पे लिटाया और दोनों पैर मैंने अपने कंधे पर रखे और पेल दिया अपना लंड उसके बुर में।
और फिर शुरू कर दी अपनी शताब्दी और अपने पूरे दम से उसे चोदने लगा।

कुछ देर बाद मेरे हर धक्के के साथ उसकी चीख निकलने लगी- साहिल रुकना मत, चोदो आज पूरी रात चोदो, और चोदो, मत छोड़ना मुझे, जान निकाल दो मेरी और चोदो ज़ोर से हाँ और तेज़ और हाँ और ऐसे ही, बना लो अपनी रखैल मुझे।

मेरे हर धक्के के साथ उसकी आवाज़ बढ़ती ही जा रही थी, उसका जोश पूरे उफान पर था। अब मुझे लग रहा था कि मैं ज़्यादा देर तक टिक नहीं पाऊँगा और ऐसा लगा कि वो फिर

से झड़ने वाली है, मैंने अपने धक्के बढ़ा दिये और मैंने उसको बोला- मैं झड़ने वाला हूँ कहाँ निकालूँ ?

उसने कहा- जहाँ तुम्हारा मन करे, निकाल दो। मेरे अंदर ही निकाल दो, सींच दो मेरी बुर को अपने पानी से !
और फिर हम दोनों एक दूसरे को धक्के मारने लगे और मारते मारते दोनों ही झड़ने लगे।

पता नहीं मुझे क्या हो गया था उस दिन कि मेरे लंड ने खूब सारा माल छोड़ा और भर दिया उसके चूत को अंदर से बाहर तक और पस्त हो गया उसके ऊपर।

काफी देर बाद हम एक दूसरे से अलग हुए। मेरा बिस्तर उसके पानी से पूरा भीग चुका था। उस रात वो 5 बार झड़ी थीं और उसे देख कर लग रहा था कि अब उसके अंदर थोड़ी भी जान नहीं बची है।

मैंने उसको पूछा- क्या हुआ ?
उसने कहा- कुछ नहीं।

मैं उठा और किचेन में जाकर दो ग्लास गरम दूध और कुछ ड्राइ फ्रूट लेकर आया और उसको उठने को कहा।
हम दोनों ने दूध पिया और बैठ कर बातें करने लगे।

मैंने कहा- अभी से पस्त हो गई, अभी तो पूरी रात बाकी है।

उसने कहा- साहिल, अब मेरे अंदर थोड़ी भी जान नहीं बची है, आज तुमने मुझे पागल कर दिया है क्या चोदते हो तुम, मज़ा आ गया। सच बताऊँ साहिल आज तक मुझे नहीं पता था कि चुदाई में इतना मज़ा आता है, मेरे बॉय फ्रेंड ने तो चुदाई का मतलब ही अलग बना दिया था जिसमें केवल एक खुश और दूसरा तरसता रहे। तुम मुझे पहले क्यों नहीं मिले

नहीं तो मेरे सब कुछ केवल तुम्ही रहते। मेरे बॉयफ्रेंड भी और मेरे पति भी।

मैं बस उसको सुनता रहा और उस रात मैंने उसको 3 बार चोदा लेकिन उसकी गांड नहीं चोद पाया।
उसने कहा- साहिल, उसमें बहुत दर्द होगा तुम इसे फिर कभी चोद लेना… अब तो मैं बस तुम्हारी हूँ, जब मन करे और जहाँ मन करे चोद लेना।

मैंने भी उसे ज़्यादा ज़ोर नहीं दिया और हमारा रोज़ का चूत चुदाई का खेल शुरू हो गया। उसके कुछ दिन बाद मैंने उसकी गांड कैसे चोदी वो आपको अपनी अगली कहानी में बताऊँगा।

तब तक के लिए आपसे विदा चाहूँगा कि मैं जल्द से जल्द अपनी अगली कहानी को आपके समक्ष प्रस्तुत कर सकूँ।

तो दोस्तो यह रही मेरी एक और सच्ची घटना… जिसमें मुझे बिना कुछ मांगे सब कुछ मिल गया।
आप सभी पाठकों से निवेदन है कि अगर आपको मेरी लेखिनी पसंद आई तो मुझे लिखना ना भूलें, मुझे आपके पत्रों का इंतज़ार रहेगा और जल्द ही मैं इस कहानी का अगला भाग आप सभी के समक्ष प्रस्तुत करूंगा।
इसी के साथ आप सभी का सहृदय धन्यवाद।
आप सभी अपने विचार मुझे vinsh.shandilya@gmail.com पर भेज सकते हैं।

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-4

भाभी ने मुझे अपनी चुत पर से तो हटा दिया मगर मुझे अपने से दूर हटाने का या खुद मुझसे दूर होने का प्रयास बिल्कुल भी नहीं किया। उसकी निगाहे शायद अब मेरे लोवर में तम्बू पर थी इसलिये मैंने […]

Full Story >>>

विधवा औरत की चूत चुदाई का मस्त मजा-1

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम विजय है और मैं 36 साल का शादीशुदा मर्द हूँ. मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूं। बहुत ही रोचक कहानियां यहाँ पढ़ने को मिलती हैं. इसी वजह से मुझे भी अपने जीवन की एक घटना आप […]

Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की चुदाई की अधूरी दास्तां

मेरे प्रिय मित्रो, आपने मेरी पिछली कहानी फुफेरी भाभी की हवस और मेरा लंड पढ़ी और पसंद भी की. धन्यवाद. अपनी नयी कहानी शुरू करने से पहले आप लोगों को बता दूं कि यह एक सच्ची घटना है जो मेरे […]

Full Story >>>

छोटा सा हादसा और आंटी की चुदाई

खड़े लौड़ों को और गीली चूतों को मेरा यानि स्वप्निल का प्रणाम. मैं महाराष्ट्र से हूँ और मेरी उम्र अभी 24 साल है. सब लोग अपनी अपनी सच्ची कहानी लिखते हैं तो मैंने सोचा कि क्यों न मैं भी अपनी […]

Full Story >>>

भतीजी ने मेरा लंड लिया

प्यारे दोस्तो, मेरा नाम समीर है और मैं मुम्बई में जॉब करता हूं. मेरी उम्र 40 साल है मगर मेरी बॉडी काफी हद तक फिट है और कहीं से भी मेरी शेप बिगड़ी नहीं हुई है. मेरा पेट भी नहीं […]

Full Story >>>